http://www.mcbuonline.com

परिवार तथा घर की सारी सामग्री का परित्याग करके भोगों और संङ्गों के प्रति अपनी आसक्ति के बन्धनों को तोड़कर सदा के लिए घर से बाहर निकल जाते हैं। ढेले, पत्थर और सुवर्ण को एक समान समझते हैं। धर्म–अर्थ और काम संबंधी प्रवृत्तियों में उनकी बुद्धि आसक्त नहीं होती। शत्रु, मित्र और उदासीन सबके प्रति वे समान दृष्टि रखते हैं।

अथवा

राम के मानवीय गुण संवेदनशीलता और करुणा उस समय उजागर होते हैं, जब वे वन के लिए प्रस्थान करते समय अपनी माता कौशल्या के लिए चिन्ता से कातर बन जाते हैं। वनबास के दिनों में भी बार–बार अपनी माँ की चिन्ता सताती है। राम देशकालज्ञ हैं, वे बिगड़ी हुई बात को संभालना जानते हैं। वनवास का समाचार सुनाने वाली कैकेयी से वे जिस शिष्टता, मृदुलता और विनय के साथ बात करते हैं, उसमें परिस्थिति का तत्कालबोध और व्यावहारिक बुद्धि भी देखते ही बनती है।

———————

20130

M.A. IV SEMESTER, Sept. - 2020

Subject - Sanskrit

Paper - I

(व्याकरण, निबंध एवं अनुवाद

M.M. 42

स्नातकोत्तर परीक्षार्थियों हेतु आवश्यक निर्देश

1. स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए सभी (चार/पाँच) प्रश्न पत्र देना अनिवार्य होगा। सभी प्रश्न पत्रों की कापियॉ पृथक–पृथक होंगी।
2. परीक्षार्थी ए–4 साइज की उत्तरपुस्तिका का उपयोग करेगा। प्रत्येक उत्तरपुस्तिका पर छात्र अपना रोल नम्बर, विषय, प्रश्नपत्र, प्रश्नपत्र कोड, नामांकन एवं समय सारिणी के अनुसार दिनांक अनिवार्य रूप से अंकित करेगा। अन्यथा परीक्षा परिणाम बाधित होगा तो इसकी जबावदारी परीक्षार्थी की होगी। उत्तरपुस्तिका के साथ प्रवेश–पत्र की छायाप्रति संलग्न करेगा।
3. प्रश्न पत्र निबन्धात्मक प्रकार का रहेगा। जिसमें पाँच यूनिट से पाँच प्रश्न रहेंगे। **एक प्रश्न के उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 300 रहेगी।**

———————————————————————————

नोट : सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रश्नों के साथ अंकों का विभाजन दिया जा रहा है।

1. 'सुप्तिङन्तं पदम्' **अथवा** 'तुल्यास्यप्रयत्नं' सवर्णम्' सूत्रं व्याख्येयम्। 9
2. 'कालाध्वनोरत्यन्त संयोगे' **अथवा** 'हृक्रोरन्यतरस्याम्' सूत्रं व्याख्येयम्। 9
3. 'हेतौ' **अथवा** 'कर्तृकर्मणोः कृति' व्याख्यायताम्। 8
4. कमप्येकं विषयाश्रित्यं संस्कृत भाषाय निबंधः निबध्यताम्– 8
   (i) अस्माकं राष्ट्रम्
   (ii) नैषधं विद्वदौषधम्
   (iii) वसुधैव कुटुम्बकम्
   (iv) महाकवि कालिदासिः
5. अधोलिखित गद्यखण्डः संस्कृतेन अनूदितत्यः – 8

   सन्यास आश्रम में प्रवेश करने वाले पुरुष अग्निहोत्र, धन, स्त्री आदि

http://www.mcbuonline.com

2. मथनामि कौरवशतं समरे न कोपाद 9
दुः शासनस्य रुधिरं न पिवाम्युरस्त।
संचूर्णयामि गदया न सुयोधनोरू
सन्धिं करोतु भवतां नृपतिः पणेन।।

अथवा

आत्मारामा विहितमतयो निर्विकल्पे समाधौ
ज्ञानोद्रेकाद्विघटततमोग्रन्थयः सत्त्वानिष्ठाः।
यं वीक्षन्ते कमपि तमसां ज्योतिषां वा परस्तात्
तं मोहान्धः कथमयममुं वेत्तु देवं पुराणम्।।

3. पादाग्रास्थितया मुहुः स्तनभरेणानीतया नम्रतां 8
शम्भोः सस्पृहलोचनत्रयपथं यान्त्या तदाराधमे।
ह्रीमत्या शिरसीहितः सपुलकस्वेदोद्गमोत्कम्पया
विश्लिष्यन् कुसुमाञ्जलिर्गिरिजयाक्षिप्तोऽन्तरे पातु वः।।

अथवा

नीतो विक्रमबाहुरात्मसमतां प्राप्तेयमुर्वीतले
सारं सागरिका ससागरमहीप्राप्त्येक हेतुः प्रिया।
देवी प्रीतिमुपागता च भगिनीलाभाज्जिताः कोसलाः
किं नास्ति त्वायि सत्यमात्यवृषभेयस्मै करोमि स्पृहाम्।।

10. मृच्छकटिके, वेणीसंहारे तथा रत्नावल्यामापि स्त्रियाः दशामुद्घाटय। 8

अथवा

मृच्छकटिके, वेणीसंहारे तथा रत्नावल्यां सामाजिकीं दशामुद्घाटय।

11. महाकविकालिदासस्य रूपकानां परिचयः दीयताम्। 8

अथवा

महाकविभासस्य रचनावल्याः परिचयः दीयताम्।

20131

M.A. IV SEMESTER, Sept. - 2020

Subject - Sanskrit

Paper - II

(रूपक)

M.M. 42

स्नातकोत्तर परीक्षार्थियों हेतु आवश्यक निर्देश

1. स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए सभी (चार/पाँच) प्रश्न पत्र देना अनिवार्य होगा। सभी प्रश्न पत्रों की कापियॉ पृथक–पृथक होंगी।
2. परीक्षार्थी ए–4 साइज की उत्तरपुस्तिका का उपयोग करेगा। प्रत्येक उत्तरपुस्तिका पर छात्र अपना रोल नम्बर, विषय, प्रश्नपत्र, प्रश्नपत्र कोड, नामांकन एवं समय सारिणी के अनुसार दिनांक अनिवार्य रूप से अंकित करेगा। अन्यथा परीक्षा परिणाम बाधित होगा तो इसकी जबावदारी परीक्षार्थी की होगी। उत्तरपुस्तिका के साथ प्रवेश–पत्र की छायाप्रति संलग्न करेगा।
3. प्रश्न पत्र निबन्धात्मक प्रकार का रहेगा। जिसमें पाँच यूनिट से पाँच प्रश्न रहेंगे। **एक प्रश्न के उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 300 रहेगी।**

नोट : सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रश्नों के साथ अंकों का विभाजन दिया जा रहा है।

अधोलिखितानां पद्यानां व्याख्या करणीया–

1. पर्यङ्कग्रान्थिबन्धद्विगुणितभुजगाश्लेषसंवीत जानो– 9
रन्तः प्राणावरोधव्युपरतसकलज्ञानरुद्धेन्द्रियस्य।
आत्मन्यात्मानमेव व्यपगतकरणं पश्यतस्तत्त्वदृष्टया
शम्भोर्वः पातु शून्येक्षणघटितलयब्रह्मलग्नः समाधिः।।

अथवा

द्वयमिदमतीव लोके प्रियं
नाराणां सुहृदच्च वनिता च।
सम्प्रति तु सुन्दरीणां
शतादपि सुहृद्विशिष्टतम्ः।।

http://www.mcbuonline.com

अलमलमतियन्त्रणया कृतमति प्रसादेन भगवती ! प्रसीद, विमुच्यतामयमत्यादर ; त्वदीयमालोकनमपि सर्वप्रशनमद्यमर्षणमिवं पवित्रीकरणायालम, आस्यताम् इत्यब्रवीत। अनुरुध्यमानश्च तया तां सर्वामतिथिसपय्यमितिदूरावनतेन शिरसा सप्रश्रयं प्रतिजग्राह।

2. अधोलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 9

दूरादयश्चक्रनिभस्य तन्वी तमालतालीवनराजिनीला।
आभाति वेला लवणाम्बुराशेर्धारानिबद्धेव कलङ्करेखा।।

अथवा

असौ महेन्द्रद्विपदानगन्धिस्त्रिमार्गगावीचिविमर्दशीतः।
आकाशवायुर्दिनयौवनोत्थानाचामति स्वदेलवान्मुखे ते।।

3. अधौलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 8

अधीतिबोधाचरणप्रचारणैः दशाश्च–तस्त्रः प्रणयन्नुपाधिभिः।
चतुर्दशत्वं कृतवान कुतः स्वयं न वेदिम् विद्यासु चतुर्दशस्वयम्।।

अथवा

मनोरथेन स्वपतीकृतं नलं निशि क्व सा न स्वपतीस्य पश्यति।
अदृष्टमप्यर्थमदृष्टवैभवात् करोति सुप्तिर्जनदर्शनातिथिम्।।

4. अधोलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 8

यत्र च मनोहारिसारसद्वन्द्वास्तत्पुरुषेण द्विगुना चाधिष्ठिताः।
कादम्बरी गद्यबन्धा इव दृश्यमान बहुव्रीह्राः केदाराः।।

अथवा

जननीतिमुदितमनसा सततं सुखवामिना कृपानन्दा।
सा नगरी नगतनया गौरीव मनोहरा भाति।।

5. गद्यकाव्य के विकास पर लेख लिखिए। 8

अथवा

प्रमुख चम्पूकाव्यों का परिचय दीजिए।

20132

M.A. IV SEMESTER, Sept. - 2020

Subject - Sanskrit

Paper - III

(गद्य,पद्य तथा चम्पूकाव्य)

M.M. 42

स्नातकोत्तर परीक्षार्थियों हेतु आवश्यक निर्देश

1. स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए सभी (चार/पाँच) प्रश्न पत्र देना अनिवार्य होगा। सभी प्रश्न पत्रों की कापियॉ पृथक–पृथक होंगी।
2. परीक्षार्थी ए–4 साइज की उत्तरपुस्तिका का उपयोग करेगा। प्रत्येक उत्तरपुस्तिका पर छात्र अपना रोल नम्बर, विषय, प्रश्नपत्र, प्रश्नपत्र कोड, नामांकन एवं समय सारिणी के अनुसार दिनांक अनिवार्य रूप से अंकित करेगा। अन्यथा परीक्षा परिणाम बाधित होगा तो इसकी जबावदारी परीक्षार्थी की होगी। उत्तरपुस्तिका के साथ प्रवेश–पत्र की छायाप्रति संलग्न करेगा।
3. प्रश्न पत्र निबन्धात्मक प्रकार का रहेगा। जिसमें पाँच यूनिट से पाँच प्रश्न रहेंगे। **एक प्रश्न के उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 300 रहेगी।**

नोट : सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रश्नों के साथ अंकों का विभाजन दिया जा रहा है।

1. अधोलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 9

ततोऽवतीर्य्य तरुशाखायां बद्ध्वा तुरङ्गम् उपसृत्य भगवते भक्तया प्रणम्य त्रिलोचनय तामेव दिव्ययोषितमनिमिषपक्ष्मणा निश्चल–निबद्धलक्ष्येण चक्षुषा पुनर्निरूपयामास। उदपादि चास्य तस्या रूपसम्प्रदा कान्त्या प्रशान्त्या चाविर्भूताविस्मयस्य मनसि–अहो, जगति जन्तूनामसर्मीथतोपनतान्यापतीन्त वृत्तान्तराणि। तथाहि, मया मृगयायां यट्टच्छाया निरर्थकमनुबध्नता तुरङ्गमुखमिथुनम्, अयमतिमनोहरो मानवानामगम्यो दिव्यजनसञ्चरणोचितः प्रदेशोविक्षितः।

अथवा

तस्याश्च द्वारि शिलातले समुपविष्टो वल्कल–शयन शिरोभागविन्यस्तवीणां ततः पर्णकुटेन निर्झरादागृहीतमर्ध्यसलिलम् आदाय तां कन्यकां समुपस्थिताम्

http://www.mcbuonline.com

भूत्वा चिराय चतुरन्तमहीसपत्नी
दौष्यन्तिमप्रतिरथं तनयं निवेश्य।
भर्त्रा तदर्पित कुटुम्बभरेण सार्धं
शान्ते करिष्यसि पदं पुनराश्रमेऽस्मिन्।।

3. निम्नलिखितस्य सप्रसंग व्याख्या कार्या– 8
अयं सप्रतिबन्धं प्रभुरधिगन्तु सहायवानेव।
दृश्यं तमसि न पश्यति दीपेन बिना सचक्षुरपि।।
अथवा
अलमन्यथा गृहीत्वा न खलु मनस्विनि मया प्रयुक्तमिदम्।
प्रायः समानविद्याः परस्परयशः पुरोभागाः।।

4. निम्नलिखित पद्यस्य सप्रसंग व्याख्या कार्या– 8
प्रणयिषु वा दक्षिण्यादथवा सद्वस्तुपुरुषबहुमानात्।
श्रृवणु जना अनवधानात्क्रियामिमां कालिदासस्य।।
अथवा
नितान्त कठिनां रुणं मम न वेद सा मानसीं
प्रभावविदितानुरागभवमन्यते वापि माम्।
अलब्धफलनीरसं मम विधाय तस्मिञ्जने
समागममनोरथं भवतु पञ्चबाणः कृती।।

5. मेघदूते यक्षस्य व्यथां वर्णयत। 8
अथवा
कालिदासस्य भाषासौष्ठवं प्रतिपादयत।

20133

M.A. IV SEMESTER, Sept. - 2020

Subject - Sanskrit

Paper - IV

(विशेष कवि कालिदास)

M.M. 42

स्नातकोत्तर परीक्षार्थियों हेतु आवश्यक निर्देश

1. स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए सभी (चार/पाँच) प्रश्न पत्र देना अनिवार्य होगा। सभी प्रश्न पत्रों की कापियॉ पृथक–पृथक होंगी।
2. परीक्षार्थी ए–4 साइज की उत्तरपुस्तिका का उपयोग करेगा। प्रत्येक उत्तरपुस्तिका पर छात्र अपना रोल नम्बर, विषय, प्रश्नपत्र, प्रश्नपत्र कोड, नामांकन एवं समय सारिणी के अनुसार दिनांक अनिवार्य रूप से अंकित करेगा। अन्यथा परीक्षा परिणाम बाधित होगा तो इसकी जबावदारी परीक्षार्थी की होगी। उत्तरपुस्तिका के साथ प्रवेश–पत्र की छायाप्रति संलग्न करेगा।
3. प्रश्न पत्र निबन्धात्मक प्रकार का रहेगा। जिसमें पाँच यूनिट से पाँच प्रश्न रहेंगे। **एक प्रश्न के उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 300 रहेगी।**

नोट : सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रश्नों के साथ अंकों का विभाजन दिया जा रहा है।

1. अधोलिखितस्य पद्यंस्य सप्रसंग व्याख्या कार्या– 9
सर्वातिरिक्त सारेण सर्वतेजोऽभिभाविना।
स्थितः सर्वोन्नतेनोर्वीं क्रान्त्वा मेरुरिवात्मना।।
अथवा
कार्प्याभख्या तयोरासीद व्रजतोः शुद्धवेषयोः।
हिमनिर्मुक्तयोर्योगे चित्राचन्द्रमसोरिव।।

2. अधोलिखितस्य सप्रसंग व्याख्या कार्या– 9
कः पौरवे वासुमतीं शासति शासितरि दुर्विनीतानाम्।
अयमाचरित्यविनयं मुग्धासु तपस्विकन्यकासु।।
अथवा